an>

Title: Need to provide the arrears of salary, allowances and other service benefits to contractual labourers of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited in Rajasthan.

श्रीमती संतोष अहलावत (झुंझनू)ः मैं माननीय खान मंत्री जी का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र झुंझनू में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा संचालित खेतड़ी कॉपर कॉम्पलेक्स में ठेके पर काम कर रहे ठेकाकर्मियों द्वारा 1 मार्च से दिए जा रहे धरने की ओर दिलाना चाहती हूँ।

खेतड़ी कॉपर कॉम्पलेक्स (के.सी.सी.) जो कभी इस राजस्थान धरा की पहचान हुआ करता था, वो आज इतिहास के पन्नों में गुम होने के कगार पर है। कभी देश का गौरव रहे के.सी.सी. की वर्तमान तस्वीर बेहद धुंधली है। स्मेलटर, रिफाइनरी, अम्ल एवं उर्वरक प्लांट बंद हो गए हैं। इसमें सन्नाटा पसरा पड़ा है। करोड़ों की मशीनें कबाड़ में तब्दील हो रही है। कभी खुद के कर्मचारियों का समूह रखने वाला के.सी.सी. आज ठेकेदारों के भरोसे चल रहा है।

वर्तमान की अगर बात करें, पिछले 14 दिन से करीब एक हज़ार ठेकाकर्मी मजदूर के.सी.सी. के मुख्य गेट पर धरने पर बैठे हुए हैं जिन्हें के.सी.सी. प्रोजेक्ट के अधीन कार्य करने वाली ठेका कंपनियों (टी.सी.एल. एंड एल.एल.पी.एल.) का कार्यकाल खत्म होने पर बिना किसी नोटिस और मजदूरी दिए काम से निकाल दिया गया है। मजदूरों द्वारा 28 फरवरी को के.सी.सी. महाप्रबंधक को इस बाबत ज्ञापन भी दिया गया था, परंतु कंपनी द्वारा इन ठेकाकर्मियों की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

ये गरीब मजदूर कंपनी से कोई मुआवजा नहीं मांग रहे वरन् ये तो अपनी मजदूरी मांग रहे हैं। ये सभी ठेकाकर्मी कंपनी द्वारा वर्ष 2017 में लागू की गई दर से रिट्रवमेंट का भुगतान, अपना बकाया ईएल, ग्रेच्युटी और फरवरी महीने का वेतन मांग रहे हैं।

मैं माननीय खान मंत्री से आग्रह करना चाहूंगी कि वे इन गरीब मजदूरों का पैसा कंपनी से दिलाने की दिशा में एक ठोस कदम लें तथा इन मजदूरों को के.सी.सी. में आने वाली नई कंपनी में रोज़गार सुनिश्चित करने का कष्ट करें।